

ST. MONTFORT SENIOR SECONDARY SCHOOL, BHOPAL

SPECIAL ASSEMBLY ON MAHAVIR JAYANTI

"Do not injure, abuse, oppress, enslave, insult, torment, torture, or kill any creature or living being, whether they are strong or weak, in the world."

Lord

Mahavira

St. Montfort Senior Secondary School, Bhopal commemorated the birth of Lord Mahavira through a special assembly on the auspicious occasion of Mahavir Jayanti with enthusiasm and reverence on 20th April 2024 in the presence of the school Vice Principal Rev. Bro. Gregory Baa, co-ordinators, teachers and students.

The divine celebration of Lord Mahavira, the founder and the last Tirthankara of Jainism commenced with a serene and spiritually uplifting atmosphere as the assembly opened with a prayer followed by Jain hymns. The recitation of Jain hymns invoked the blessings of Lord Mahavira and created a sacred ambiance, encouraging everyone present to connect with the spiritual essence of the occasion.

With creativity and finesse, students took to the stage to introduce the life and legacy of Lord Mahavira through excellent oratory skill in the form of speech, mesmerizing display of dance and drama. Their performance skillfully depicted key aspects of Lord Mahavira's life, such as his noble birth, renunciation of worldly comforts, spiritual enlightenment, universal brotherhood through right belief, right knowledge, right conduct and profound teachings of ahimsa and compassion. The program was followed by Prize Distribution to acknowledge the exemplary performance of students in various curricular and cocurricular fields.

The assembly was organized by Class X under the guidance of prudential class teachers. On behalf of the school management the senior wing coordinator sermonized the students and appreciated their efforts of making a meaningful heart-touching program. The event concluded by vote of thanks by the students followed by National Anthem, fostering a sense of unity and pride among the students.

VIDHYA SONWANE

जैन धर्म के आखिरी तीर्थंकर महावीर स्वामी जयंती 2024 का आयोजन

20 अप्रैल 2024, जैन धर्म के 24वें (आखिरी तीर्थंकर) महावीर स्वामी के व्यक्तित्व से छात्रों को परिचित कराने के उद्देश्य से सेंट मॉन्टफोर्ट विद्यालय की सीनियर सेकेंडरी विभाग में उनका जन्मदिवस विशेष प्रार्थना सभा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आरंभ प्रार्थना-गान णमोकार मंत्र के साथ आरंभ हुआ। छात्रों ने अपनी प्रस्तुतियों में नृत्य, नृत्य-नाटिका के माध्यम से जैन धर्म के प्रवर्तक महावीर स्वामी के जीवन तथा उनके महान कार्यों से विद्यार्थियों को अवगत कराया, साथ ही नाटिका में बताया कि भगवान महावीर ने पूरे समाज को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। भगवान महावीर की बारह वर्ष की मौन तपस्या के बाद उन्हें 'केवल ज्ञान' प्राप्त हुआ। उन्होंने जीवनभर संपूर्ण मानव जाति को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का काम किया। वे सत्य और अहिंसा के पुजारी थे और लोगों को भी सत्य का मार्ग चुनने और हिंसा न करने के लिए प्रेरित करते थे। वर्धमान को महावीर के अलावा वीर, अतिवीर और सन्मति भी कहा जाता है। नाटिका में छात्रों ने बताया कि जैन धर्म में तीर्थंकर का अभिप्राय उन 24 दिव्य महापुरुषों से है जिन्होंने अपनी तपस्या से आत्मज्ञान को प्राप्त किया और जिन्होंने अपनी इंद्रियों और भावनाओं पर पूरी तरह से विजय प्राप्त की। उनके अनमोल विचार आज भी लोगों को काफी प्रेरित करते हैं। जैन धर्म का समुदाय इस पर्व को बड़े उल्लास से एक उत्सव की तरह मनाते हैं। जिसे छात्रों ने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर विद्यालय उपप्राचार्य ब्रदर ग्रेगोरी बा और कोऑर्डिनेटर श्रीमती ज्योति नायर, सिस्टर जैनी, मीनाक्षी शर्मा एवं सभी कक्षाओं के कक्षा अध्यापक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के समापन पर कोऑर्डिनेटर श्रीमती ज्योति नायर द्वारा छात्रों से अपील की कि महावीर स्वामी के दिए गए जीयो और जीने दो के दिये संदेश व महावीर स्वामी द्वारा लोगों को दिए गए जिन पाँच सिद्धांत के जरिए जीवन का वास्तविक उद्देश्य समझने की राह दिखाई थी, इस संबंध में इन विचारों को मान्यता देते हुए इस विषय के अंतर्गत आप यहाँ उनके अनमोल विचार पर ध्यान देकर अपने आपको सशक्त बनाने का काम करेंगे।

उनका कहना था कि हम दूसरों के प्रति भी वही व्यवहार व विचार रखें जो हमें स्वयं को पसंद हों। वास्तव में भगवान महावीर का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। संपूर्ण कार्यक्रम कक्षा दसवीं डी, ई और एफ के छात्रों द्वारा अपनी कक्षा अध्यापिका सोनिया सुजीश, सुरभि शर्मा, एवं आकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन हुआ।

संगीता हसीजा

ST. MONTFORT SCHOOL, BHOPAL
REPORT ON SPECIAL ASSEMBLY MAHAVIR JAYANTI

“Live and allow others to live; hurt no one; life is dear to all living beings.”

ST MONTFORT SCHOOL BHOPAL on 20th April, 2024 Saturday entire students of primary classes (III-V) along with the Co-ordinator Sr.Chaitanya and teachers gathered to express their feelings towards the significance of Mahavir Jayanti, a phenomenal assembly was organized by the students of class III-C under the guidance of their teacher. The assembly began with a fervent prayer paying honor to the greatest teacher of all time - LORD MAHAVIRA. Students narrated the morals, ideals, teachings and life story of Mahavira. Followed by a peaceful prayer dance and a mellifluous song.

The programme ended with a meaningful speech by Mrs. Priya Parita ma'am which inspired the students to remember the harmony through the teachings of Lord Mahavira to spread the message of love, hope and joyful living.

Co-ordinator Sr.Chaitanya addressed and enlighten everybody with her motivational words.The assembly was concluded by the National Anthem.

Mrs. Geeta Ghodke

सेंट मॉटफोर्ट स्कूल

महावीर जयंती की विशेष सभा पर विवरण लेखन

महावीर जयंती समारोह 20 अप्रैल 2024 को सेंट मॉटफोर्ट स्कूल, ऑडिटोरियम में मनाया गया। कक्षा तीसरी 'स' के छात्रों द्वारा सुबह की सभा प्रस्तुत की गई। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर थे। भगवान महावीर को वीर, वर्धमान, अतिवीर और सन्मति के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपने जीवन में तप और साधना से नए प्रतिमान स्थापित किए। अतः उनके द्वारा इन्हीं कार्यों को प्रस्तुत करते हुए छात्रों द्वारा उनके जीवन पर नाटक प्रस्तुत कर किया गया।

सभा का आरंभ छात्रों द्वारा गाए गए प्रार्थना गीत एवं विशेष प्रार्थना से हुआ। भगवान महावीर ने जैन धर्म के अनुयायियों के लिए 5 सिद्धांत या 5 प्रतिज्ञा का प्रतिपादन किया था। अतः उनके द्वारा दिए पांच सिद्धांत हैं—अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह। उनके जीवन की साधना काल, तप और सिद्धान्तों को विद्यार्थियों ने सुंदर लघु नाटिका प्रस्तुति के माध्यम से दर्शाया। आगे बढ़ते हुए छात्रों ने दिन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पैर थिरकाने वाला नृत्य और समूह गीत प्रस्तुत किया। अंत में ज्ञानवर्धक विचारों के साथ श्रीमती प्रिया मैडम ने महावीर जयंती पर भाषण प्रस्तुत किया और छात्रों को धर्म, सत्य, अहिंसा, ज्ञान, अपरिग्रह तथा छमा के महत्व को समझाया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा आभार प्रकट किया गया तथा राष्ट्रगान के बाद छात्र अपनी-अपनी कक्षा में चले गए।

सुश्री अनिता यादव